

वार्तालाप – 423, बैंगलोर-2 (कर्ना.) ता: 28.10.07  
Disc.CD-423, dated 28.10.07 at Bangalore-2 (Karnatak)

समय – 2.40–5.57

जिज्ञासू – बाबा, टीचर का काम है स्टुडेंट को उमंग-उत्साह देना, उनको आगे बढ़ाना, है ना? बाबा कोई टीचर को निमित्त बनाते हैं और टीचर जो हैं वो जो स्टुडेंट आगे बढ़ रही हैं उमंग-उत्साह से उनको गलत डाँट-डाँटते रहते हैं। उनकी खुशी खराब करते हैं तो दुख दिया ना। तो ऐसे वालों की शूटिंग क्या होती है?

**Time: 2.40-5.57**

**Student:** Baba, a teacher's work is to fill the student with zeal and enthusiasm, to make him progress, isn't it? Baba appoints a teacher as an instrument and that teacher keeps falsely scolding the student who is progressing with zeal and enthusiasm, spoils his joy; so she gave sorrow, didn't he? So, what sort of shooting of such persons take place?

**बाबा –** जो कमजोर होते हैं वह कमजोरी की बात को पकड़ते हैं या जो पावरफुल होते हैं वह कमजोर हो जाते हैं? जिनके जन्म-जन्मांतर के संस्कार होंगे दबने के, झूठ से, वही दबेंगे। नहीं तो दब नहीं सकते। यज्ञ के आदि का प्रजापिता, जो मम्मा-बाबा को भी पढ़ाई पढ़ाता था। दूसरा जन्म लेकर के वह बेसिक नॉलेज में पढ़ाई पढ़ने वाला बन जाता है। फिर दबकर के रहता है क्या? नीचे गिराने वाले नीचे गिराना चाहते हैं छोटे-मोटे टीचर्स, तो उसकी बुद्धि में छोटे-मोटे टीचर्स रहते हैं या सुप्रीम टीचर्स रहता है? तो गिरेगा या उठेगा, उनके गिराने से वो गिर जायेगा?

**Baba:** Those who are weak catch the topics of weakness or do those who are powerful become weak? Only those who have a *sanskara* of being subdued by falsehood for many births will be subdued. Otherwise they cannot be subdued. The Prajapita of the beginning of the *yagya*, who used to teach even Mamma-Baba, takes rebirth and becomes a person who studies in the basic knowledge. Then does he remain subdued? Those who wish to bring about downfall, the small time teachers cause downfall; so, do the small-time teachers remain in his intellect or does the Supreme Teacher remain in his intellect? So, will he fall or will he rise? Will he fall on being made to fall by them?

जिज्ञासू – बाबा, जैसे कोई-कोई दुःख लेते हैं ना, तब दुःख दिया ना वह तो धर्मराज बाप आया है वह....

**बाबा –** दुःख लेना नहीं है, दुःख देना नहीं है। लेना क्यों है? कोई देता है तो देता रहे हम नहीं लेते।

जिज्ञासू – वह तो ठीक है बाबा; लेकिन अभी तो कोई संपन्न नहीं बना है ना! तो जो जैसा करेगा वैसा पावेगा। किसीको हमको डाँटने की क्या दरकार है?

**बाबा –** अरे! डाँटेगा-डपटेगा तो ब्रह्माकुमारी कोई, आज ही तो मुरली में आया कोई राजा कुमारी बनेगी कोई प्रजाकुमारी बनेगी। हमारा क्या जाता है इसमें? हम क्यों फाँ हो जाये?

**Student:** Baba, for example, some people take sorrow, then he (the one who gives sorrow) indeed gave sorrow, didn't he? The *Dharmaraj* father has come....

**Baba:** We should neither take sorrow nor give sorrow. Why should we take? If someone gives, he may continue to give; we won't take it.

**Student:** That is all right Baba, but now nobody has become perfect, isn't it? So, it is according to 'as you sow, so shall you reap'. Where is the need for us to scold anyone?

**Baba:** Arey! If some teacher scolds, ; just today it was mentioned in the *Murli* that someone (Brahmakumari) will become a *Rajakumari* (of the king's quality) and someone (Brahmakumari) will become a *prajakumari* (of a subject category). What do we lose in it? Why should we lose heart in this?

**जिज्ञासू –** माना उनकी शूटिंग खराब नहीं होती है?

**बाबा –** शूटिंग हमने खराब कर दी क्या? हरेक आदमी अपना शत्रु अपना मित्र खुद बनता है। अपना घाटा, अपना वाटा खुद बनाता है। अगर कोई हमको नीचे गिराता है, दुःख देता है और हम नीचे गिर गये, दुःख हमने ले लिया तो हम अपनी आत्मा के शत्रु बने या बाबा की श्रीमत को फॉलो किया? हम खुद ही अपने शत्रु बन गये। प्रभावित हो गये माना प्रजा बन गये।

**जिज्ञासू –** तो उस समय उसको टीचर्स नहीं समझना ठीक है?

**बाबा –** वह श्रीमत के बरखिलाफ बात करनेवाले को तो रावण संप्रदाय समझो। मुरली में क्या बोला? अंदर से समझ लो, ये तो रावण संप्रदाय हैं। एक कान से सुनो दूसरे कान से निकाल दो, अपने रास्ते चलते रहो।

**Student:** Does it mean that they do not spoil their shooting?

**Baba:** Did we spoil their shooting? Every person himself becomes his own enemy and his own friend. He himself brings about his losses and profits. If anyone brings about our downfall, gives us sorrow and if we fall down, if we accepted sorrow, then did we become the enemy of our own soul or did we follow Baba's *Shrimat*? We ourselves became our own enemy. We became influenced, i.e. we became subjects.

**Student:** So, is it correct to think at that time that he isn't a teacher?

**Baba:** Those who speak against the *Shrimat* should be considered to belong to the Ravan's community. What has been said in the *Murli*? Understand from within: he/she belongs to the Ravan's community. Listen through one ear and leave it through the other. Continue to tread your path.

**टाइम – 17.56–19.18**

**जिज्ञासू–** बाबा, कोई-कोई दूर से दो बस चढ़के क्लास करते हैं ना! तो क्लास करते रहते हैं, बीमारी ज्यादा हो जाता है , क्लास आ ही नहीं सकते हैं तो ऐसे समय में क्या करना है?

**बाबा –** बाबा तो कहते हैं 106 डिग्री बुखार हो तो भी क्लास एटेन्ड करना है।

**जिज्ञासू–** आना ही नहीं होता है तब क्या कर सकते है?

**बाबा –** अब जो हिम्मत मर्दे तो मददे बाप। बाबा ने तो बोल दिया मुरली में।

**जिज्ञासू –** 100 डिग्री बुखार है तो कर सकते हैं बाबा और ज्यादा हो जाये तो ज्यादा थक जाते है ना?

**बाबा –** यज्ञ में जिनको अस्थमा के मरीज थे, श्वास की जबरदस्त बीमारी थी, उनको छाछ और बाजरे की रोटी खिलायी और सब चंगे हो गये। ये भावना का कमाल था या दुर्भावना का कमाल था? तो बाप की वाणी के ऊपर इतना निश्चय होना चाहिए। क्या?

**Time: 17.56-19.18**

**Student:** Baba, some people come from distant places to attend the classes by changing two buses, don't they? So, while attending classes if they fall very ill, if they cannot come to the class at all, then what should be done in such a situation?

**Baba:** Baba says that you should attend the class even if you are suffering from 106 degree fever.

**Student:** What can they do if they aren't able to come at all?

**Baba:** Well those who show courage will receive the Father's help. Baba has already said (this) in the *Murli*.

**Student:** Baba, if the fever is upto 100 degrees, they can attend. If the temperature rises further, they feel tired, don't they?

**Baba:** Those who were asthma patients in the *yagya*, those who had severe respiratory problems were given buttermilk and *roties* made of millet flour (*bajra*) and all of them got well. Was it a magic of feelings or was it a magic of ill-feelings? So, you should have such faith on the Father's versions. What?

#### समय 24.40–26.45

जिज्ञासु— आध्याशक्ति महामाया क्यों कहा जाता है?

बाबा — शक्ति को महामाया इसलिए कहा जाता है, जैसे कुमारका दादी ने अभी शरीर छोड़ा। शरीर छोड़ा ना? तो संदेश में आया कि कुमारका दादी से प्रकृति ने हाथ मिलाय लिया। ये बात आयी? प्रकृति का पार्ट किसका है? जगदम्बा का और माया का पार्ट वो हैं। वो माया है, महामाया नहीं कहा और जब उससे प्रकृति भी जाकर के मिल गयी। रावण के पाँच सिर काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और उसकी सहयोगिनी मिल गयी, मंदोदरी। कौन? पाँच प्रकृति के तत्व, प्रकृति। जो विशेष रचना है भगवान की। जिस रचना के रचने में एड़ी-चोटी की ताकद लगा दी भगवान ने। वह माया से जाके मिल गयी, हाथ मिलाय लिया। दुश्मन का दुश्मन हमारा दोस्त। तो महामाया हो गयी। पाँच विकारों ने एड़वांस पार्टी का अभी तक कुछ नहीं बिगाड़ पाया। क्या? माया ने एड़वांस पार्टी का कुछ नहीं बिगाड़ पाया। क्यों? क्योंकि जितना माया की ताकत है उतना सर्वशक्तित्वान बाप के बच्चों की भी ताकत आ जाती हैं; लेकिन जब प्रकृति मिल जाती है तो भूकम्प आयेंगे और भूकम्प से सारे महल माड़ियाँ—अटारियाँ सब संगठन गिरेंगे। तो बड़ा विनाश हो जावेगा।

#### Time: 24.40-26.45

**Student:** Why is *Adhyashakti* called *Mahamaya*?

**Baba:** *Shakti* is called *Mahamaya* because...; for example, *Dadi Kumarka* left her body recently. She left her body, didn't she? So, it was mentioned in the message that *Dadi Kumarka* joined hands with nature. Was it not mentioned? Who plays the part of nature? It is the part of *Jagdamba* and her (*Dadi Kumarka*) part is of *Maya*. She is *Maya*; it was not said *Mahamaya* and when nature also joined hands with her; the five heads of Ravan – lust, anger, greed, attachment, ego and his helper *Mandodari* (wife of Ravan, the one with dull intellect) joined hands (with her). Who? The five elements of nature, the nature which is the special creation of God (and) God invested all his power from head to heel in its creation. She joined hands with *Maya*. Enemy's enemy is our friend. So, she became *Mahamaya*. The five vices were not able to bring any harm to the advance party so far. What? *Maya* was not able to bring any harm to the advance party. Why? It is because the children of the Almighty Father also become as powerful as *Maya*, but when nature joins hands (with her), then earthquakes will occur and because of these earthquakes all the palaces and buildings, all the gatherings will fall. So, a big destruction will take place.

**समय – 30.51– 31.55**

**जिज्ञासु –** बाबा, जो क्रिश्चियन है, क्रिश्चियन लोग। हद की बात पूछ रहे हैं आपसे। क्रिश्चियन है वो लोग गाय का मांस खाते हैं, इस्लामी हुए, मुस्लिम हुए उनके ऊपर पाप का बोझा चढ़ता है क्या?

**बाबा –** वह पूछ रहे हैं कि दूसरे धर्म के लोग क्रिश्चियन और मुसलमान गाय का मांस खाते हैं उनके ऊपर पाप का बोझा चढ़ता है या नहीं? उनकी बात छोड़ दो; क्योंकि वह दुनियाँ तो हमारे लिए मर गयी; लेकिन हम ब्राह्मणों की दुनियाँ में जो क्रिश्चियन धर्म में कनवर्ट होने वाले हैं या मुस्लिम धर्म में कनवर्ट होने वाले हैं और इस समय जो गैया है कृष्ण के साथ उनके ऊपर कुदृष्टि रखते हैं उनके ऊपर पाप चढ़ता है या उनके ऊपर पाप चढ़ता है? पहले किसके ऊपर चढ़ता है? तो उनके ऊपर सौ गुना चढ़ता है? और उन क्रिश्चियन के ऊपर तो एक गुना ही चढ़ता है। क्यों? फिर वह असली गरुयें भी नहीं हैं। वो तो जानवर गरुयें हैं।

**Time: 30.51-31.55**

**Student:** Baba, the Christians, the Christian people; I am asking you something in a limited sense. Christians eat beef; similarly there are Islamic people, Muslims; so do they accumulate the burden of sins?

**Baba:** He is asking that people belonging to the other religions like the Christians and Muslims eat beef; so, do they accumulate the burden of sins or not? Leave their topic because that world is dead for us; but in our world of Brahmins, those who are the ones who convert to Christian religion or Muslim religion and cast an evil eye on the cows that live with Krishna at present, do they (i.e. the Brahmins) accumulate sin or do they (i.e. Christians/Muslims of the outside world) accumulate sins? Who accumulates sins first? So, they accumulate hundred times sins? And those Christians accumulate only one time sins. Why? They are not even the true cows. Those cows are just animal cows.

**समय – 37.00–37.20**

**जिज्ञासु–** जड़ परमधाम किसको कहते हैं बाबा? चित्र में जो दिखाते हैं।

**बाबा –** परमधाम को तुम बच्चे इस सृष्टि पर उतार लेंगे। तो जड़त्व जो है वह सृष्टि के नजदीक है या सूरज, चांद, सितारों की दुनियाँ से पार है? (किसीने कहा— माउंट आबू में है।) हां जी।

**जिज्ञासु –** तो वहां सूक्ष्म परमधाम होगा।

**बाबा –** हां जी।

**Time: 37.00-37.20**

**Student:** Baba, what is non-living Supreme Abode that is shown in the pictures?

**Baba:** You children will bring the Supreme Abode down to this Earth. So, are the non-living things closer to the world or beyond the world of the Sun, the Moon, and the stars? (Someone said – It is in Mt.Abu) Yes.

**Student:** So, there will be subtle Supreme Abode there.

**Baba:** Yes.

**समय – 37.30–39.00**

**जिज्ञासु–** परमाणु ऊर्जाकरण। परमाणु को ऊर्जा में परिवर्तित करना है। बॉम्स वगैरा बने हैं। युरेनियम को परिवर्तित करना, ऊर्जा में तैयारी करना यह जो है ये होना चाहिए या नहीं होना?

बाबा – एक परमाणु को ऊर्जा में तैयारी करने का काम स्थूल काम है या सूक्ष्म काम है? स्थूल काम है और मन-बुद्धि और संस्कार शक्ति को ऊर्जा में परिवर्तित करना ये मनुष्य का काम है या परमात्मा का काम है? परमात्मा का बच्चों के साथ यह काम है। ऊर्जा वो भी है, ऊर्जा ये भी है। ऊर्जा सतयुग में भी होगी और ऊर्जा यहाँ भी होती है। यहाँ की ऊर्जा विनाशकारी रिजल्ट में निकलेगी और वहाँ की ऊर्जा कोई भी एक्सीडेंट नहीं होने देगी, विनाश तो दूर रहा। तो कौनसा विज्ञान ज्यादा सुधरेला हुआ? आध्यात्मिक ज्ञान ज्यादा सुधरेला हुआ। आज का जो विज्ञान है वह तो घातक है। बड़े-बड़े पैसे वाले ही उससे फायदा ले पा रहे हैं।

**Time: 37.30-39.00**

**Student:** Atomic energy generation is converting atoms into energy. Bombs, etc. have been developed. Converting Uranium, preparing it into (a form of) energy. Should this happen or not?

**Baba:** Is conversion of atoms into energy a gross task or a subtle task? It is a gross task and is the task of transforming the power of mind, intellect and *sanskars* into energy the task of the human beings or of the Supreme Soul? This is a task of the Supreme Soul along with the children. That is energy as well as this is energy. There will be energy in the Golden Age and there is energy here too. The energy available here (i.e. in the Iron Age) will result in destruction and the energy there will not allow any accident to take place; there is no question of destruction. So, which science is more advanced? The spiritual knowledge is more advanced. Today's science is destructive. Only the prosperous ones are able to benefit from it. (Concluded)

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.